# सीमा दर्शन

यह एक बहुत ही अनुपम कार्यक्रम है जिसमें विद्यार्थियों को उन परिस्थितियों से अवगत करवाया जाता है जिनमें हमारे जवान देश की सीमाओं की सुरक्षा एवं सेवा करते हैं ।

सार्थक खनका, कक्षा 12 का यात्रा वृतान्त

इस सफर में नींद ऐसी खो गई

हम न सोए रात थक कर सो गई।

सर्वप्रथम मैं केन्द्रीय विद्याालय संगठन को धन्यवाद अर्पित करना चाहूँगा जो संगठन ने मुझे यह श्रेष्ठ अवसर प्रदान किया। सीमा दर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ 12 मई को केन्द्रीय विद्यालय हल्द्वानी में देहरादून संभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती अल्का गुप्ता जी की उपस्थिति में हुआ जिसमें उन्होंने सभी बच्चों को संबोधित किया और कुछ दिशा– निर्देश दिए। अंत में सभी को सीमा दर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की। 13 मई को के0 वि0 हल्द्वानी के तत्वावधान में विभिन्न संभागों के 50 बच्चों एवं सहायक शिक्षकों के दल को के0 वि0 हल्द्वानी के प्राचार्य श्री टी0 पी0 आर्य जी के नेतृत्व में हल्द्वानी से अल्मोड़ा के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। हल्द्वानी से लगभग 45 कि0 मी0 की दूरी पर पूरी टीम परम् पूजनीय बाबा श्री नीव करौली जी महाराज (कैंची धाम) के दर्शन के लिए रुकी। विश्व के प्रसिद्ध व्यवसायी एप्पल के संस्थापक स्टीव जोप्स एवं फेसबुक सी0 ई0 ओ0 मार्क जुकरबर्क भी इस मंदिर के प्रति अपनी आस्था रखते हैं। इसके पश्चात् के0 वि0 अल्मोड़ा की प्राचार्या सुश्री माला तिवारी एवं विद्यालय के शिक्षकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया और गोविंद बल्लभ पन्त प्रशिक्षण संस्थान में घुमाया गया। अल्मोड़ा के एक शिक्षक श्री घनश्याम शर्मा जी के मार्गदर्शन में विश्वधरोहर एवं विश्वविख्यात सूर्य मंदिर के दर्शन कराये गए। सूर्य मंदिर के भ्रमण के दौरान अखिल भारतीय केन्द्रीय विद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष श्री डी0 एम0 लखेड़ा जी ने सभी को संबोधित किया। 14 मई को सीमा दर्शन की पूरी टीम के0 वि0 रानीखेत के प्राचार्य श्री एस0 के0 जोशी के दिशा–निर्देश में पिथौरागढ़ के बीच पड़ने वाले दो प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन किए जिसमें न्याय के देवता माने जाने वाले गोलू देवता जी के चितई मंदिर एवं जागेश्वर धाम के प्राचीन मंदिर के दर्शन किए जो उस स्थान को आध्यात्मिक स्वरुप प्रदान कर रहा है। इसके पश्चात् पूरी टीम के0 वि0 पिथौरागढ़ पहुँची । वहाँ विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती कमला निखुर्पा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान कर्नल शर्मा डिप्टी कमांडर 119 (I) ब्रिगेड ने सभी को संबोधित किया। इसके पश्चात् सीमा

दर्शन की पूरी टीम को XVI कुमायूँ रेजिमेंट ले जाया गया और वहाँ युद्ध में प्रयोग होने वाले सभी हथियारों की प्रदर्शनी की गई। अंत में युद्ध के दौरान जब सैनिक के हथियार समाप्त हो जाते है तो किस प्रकार सैनिक धाबा बोलता है को धाबा ड्रिल करके दिखाया गया। सैनिकों के क्वार्टर गार्ड दिखाए गए। इस सब से यह प्रतीत हुआ कि सैनिक का दूसरा नाम ही अनुशासन है। 15 मई को सीमा दर्शन की पूरी टीम ने शिव मंदिर के दर्शन किए। मंदिर दर्शन के पश्चात् सभी बच्चों द्वारा क्लाइंबिंग कराई गई एवं शूटिंग प्रशिक्षण का स्थान दिखाया गया। इसके पश्चात् विश्व में प्रसिद्ध कामख्या देवी जी के दर्शन किए गए। 15 मई की शाम को XVI कुमायूँ रेजिमेंट के ऑडिटोरियम में एक लक्ष्य नामक फिल्म दिखाई गई। 16 मई को पूरी टीम धारचूला के लिए रवाना हुई। यात्रा के दौरान एक तरफ भारत के पहाड़ तो दूसरी तरफ नेपाल के पहाड़ और साथ–ही–साथ बहती हुई काली नदी का आनंद लेते हुए सभी धारचूला पहुँचे। धारचूला में सभी को धौली गंगा पर स्थित विद्युत परियोजना में घुमाया गया। जहाँ एन.एच.पी.सी. की पूरी विद्युत उत्पादन के बारे में जानकारी दी। 16 मई की शाम को सभी बच्चों को कुमायूँ स्काउट्स के अधिकारी गणों ने संबोधित किया। 17 मई को सीमा दर्शन की पूरी टीम को नेपाल दर्शन के लिए ले जाया गया। नेपाल मे सभी को नेपाल के बाजार एवं एक विद्यालय में ले जाया गया जहाँ सभी ने वहाँ की शिक्षा प्रणाली के बारे में जाना इसके पश्चात् के0 वि0 धारचूला के प्राचार्य श्री सुरेश कुमार यादव जी के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का समापन हुआ और वापसी के लिए हरी झंडी दिखाई गई।

K.V. No. 2 N.H.P.C. BANBASSA

रंजना
16/7/19
प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय
एन0एच0पी0सी0
बनबसा, जिला-चम्पावत